

प्रेषक,

डी०एस० गर्वाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: २ अक्टूबर, 2015

विषय—अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत हरिद्वार कुम्भ क्षेत्र में पूर्व निर्मित शौचालयों की मरम्मत एवं पेंटिंग का कार्य।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-907/अ०कु०मे०/पर्यटन वि०/हरिक्षे० शौ० मरम्मत/पेंटिंग, दिनांक 08.10.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत हरिद्वार कुम्भ क्षेत्र में पूर्व निर्मित शौचालयों की मरम्मत एवं पेंटिंग कार्य की स्वीकृति के सम्बन्ध पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन के सापेक्ष रु० 20.87 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार रु० 13.04 लाख अर्थात् कुल रु० 33.91 लाख के कार्य पर वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये समस्त धनराशि रु० 33.91 लाख भारत सरकार से प्राप्त होने वाली धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में आपके निवर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:—

- (i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे ।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा ।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए । साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एमोओयू कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है । स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय ।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी वैकिंग कराई जाएगी ।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होगी ।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी । साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा ।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण पर्यटन विभाग द्वारा भी किया जाएगा ।

3— उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय—समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय ।

4— इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजना-0109-हरिद्वार अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा की मानक मद संख्या-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जाएगा ।

5— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-743/XXVII(2)/2015, दिनांक 20 अक्टूबर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

6— एलॉटमैण्ट आई0डी0 संख्या-एस01510130200 तथा एच01510131550 दिनांक 21 अक्टूबर, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है ।

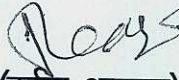
भवदीय,
(डी0एस0 गर्वाल)
सचिव ।

संख्या— १९१० /IV-3/ २०१५-०४(७७) / २०१५, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोर्टर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी०-१ / १०५, इन्द्रा नगर, देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. उप निदेशक / नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून।
6. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. सहचर्य सदस्य मानद नियंत्रक, सुलभ इण्टरनेशनल संघठन, इन्द्रानगर देहरादून।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग—२
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(रेक्स अहमद)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 2015/2016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 1455/15-04(77)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1510130200

आवंटन पत्र दिनांक - 21-Oct-2015

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

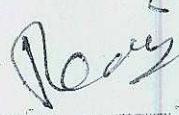
1: लेखा शीर्षक	2217 - शहरी विकास	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योज
	09 - हरिद्वार अर्द्धकुम्भ मेला 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा	

Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	72014000	3391000	75405000
	72014000	3391000	75405000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

3391000



(सहायक अनुदान/अंशदान/राज)
कार्यपाल
कार्यपाल विकास विभाग
राजस्थान सरकार राजस्थान।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

आवंटन पत्र संख्या - 1455/15-04(77)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - H1510131550

आवंटन पत्र दिनांक - 21-Oct-2015

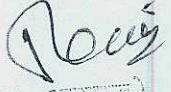
DDO Name - Meladhikari KumbhHaridwar (2871) , Treasury - Haridwar (6500)

1: लेखा शीर्षक	2217 - शहरी विकास	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना
	09 - हरिद्वार अर्द्धकुम्भ मेला 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा	

Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	142651000	3391000	146042000
	142651000	3391000	146042000

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes - 3391000



(राज्यका लहनद)

महाराजा द्वारा दिल्ली
प्रान्ती विकास विभाग
राजस्वाराज्यपत्र राजस्वारा)